मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 74, मुंबई, सोमवार, 7 जुलाई, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

नागपुर में 'दिशा' बनी 'सोनम'

प्रेमी के प्यार में पति को उतारा मौत के घाट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। नागपुर पुलिस ने मामले की पूरी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय महिला दिशा रामटेक ने अपने बीमार बिस्तर पर पड़े पति चंद्रसेन रामटेक की मदद कर दी। इस वारदात को अंजाम देने में आरोपी महिला के आशिक ने भी उसका साथ दिया। महिला ने अपने आशिक आसिफ उर्फ राजाबाबू टायरवाला की मदद से पति को मौत के घाट उतार दिया। मिली जानकारी के अनुसार यह मामला तारोड़ी खुर्द इलाके का है। आरोपी महिला का पति लकवा का शिकार हो गया था, जिसके बाद से ही रामटेक बिस्तर पर पड़ा हुआ था और उसका लकवे का इलाज चल रहा था। पुलिस ने बताया कि पति की बीमारी के दौरान ही दिशा और आसिफ को प्यार हुआ और प्यार परवान चढ़ा। आरोपी दिशा के पति चंद्रसेन को जब उनकी पत्नी और आसिफ के रिश्ते के बारे में पता चला, तो दोनों के बीच जमकर विवाद शुरू हो गया। दोनों के बीच काफी झगड़ा शुरू।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

उद्धव-राज के गठबंधन ने बढ़ाई

शिंदे की टेंशन

बीजेपी को मिलेगा वोटर्स का अटेंशन!

मुंबई। शनिवार को 'विजय रैली' के जरिए 2005 में बिछड़ा ठाकरे परिवार एक हो गया। शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे एक साथ, एक मंच से एक दूसरे का हाथ थामकर 'मराठी अस्मिता' के लिए आवाज बुलंद करते हुए दिखाई दिए। दो दशक के बाद दोनों नेताओं का एक साथ आना महाराष्ट्र की सियासत को नया आकार दे सकता है। महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को हुई इस महा-हलचल ने कई सवालों को जन्म दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

निरहुआ का चैलेंज

मैं मराठी नहीं बोलता, दम है तो महाराष्ट्र से निकाल कर दिखाओ

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी भाषा को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल सरकार ने मराठी और इंग्लिश मीडियम के स्कूलों के पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा के विषय को अनिवार्य कर दिया था, हालांकि विवाद को देखते सरकार बैकफुट पर आई और उसने अपना फैसला वापस ले लिया। लेकिन मराठी हिंदी को लेकर शुरू हुआ विवाद रुक नहीं रहा है। इस विवाद में अब भोजपुरी एक्टर और भाजपा नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ भी शामिल हो गए हैं उन्होंने महाराष्ट्र में हिंदी भाषा का विरोध कर रहे नेताओं को चुनौती दी है और कहा है मैं मराठी नहीं बोलता, दम है तो मुझे महाराष्ट्र से निकाल कर दिखाओ।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

नहीं रुकेगा शक्तिपीठ हाईवे प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कर दिया साफ

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि शक्तिपीठ हाईवे अवश्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अड़चनों के मुद्दों को चर्चा के जरिए हल किया जाएगा। शक्तिपीठ हाईवे को लेकर कई जगहों पर, विशेषकर कोल्हापुर इलाके में भारी विरोध हो रहा है। पूर्व सांसद राजू शेट्टी के नेतृत्व में आंदोलन जारी हैं और हाल ही में रास्ता रोक प्रदर्शन भी हुआ है। इस हाईवे के लिए कई उपजाऊ जमीनें जाना हैं, लेकिन किसानों का कहना है कि उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, इसलिए वे जमीन देने को तैयार नहीं हैं। इस महामार्ग के लिए सांगली तक जमीन देने में ज्यादा विरोध नहीं है, लेकिन कोल्हापुर के आसपास के किसानों का विरोध जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महामार्ग से किसानों को फायदा होगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

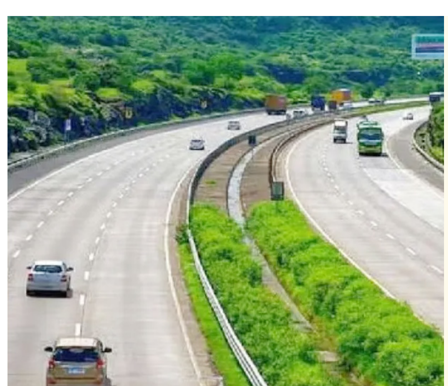

12 जिलों का जोड़ने वाली परियोजना : इस परियोजना का क्रियान्वयन निगम के माध्यम से किया जाने का फैसला किया है। बता दें, कि महाराष्ट्र शक्तिपीठ महामार्ग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। शक्तिपीठ महामार्ग के तहत राज्य के 12 जिलों को जोड़ा जाएगा। इन जिलों में वर्धा, यवतमाल, हिंगोली, नांदेड़, परभणी, बीड, लातूर, धाराशिव, सोलापुर, सांगली, कोल्हापुर और सिंधुदुर्ग शामिल है। सरकार इसे आगे गोवा-महाराष्ट्र सीमा पर कोंकण एक्सप्रेसवे से जोड़ने की योजना बना रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

नया आकलन, नई कथा!

जिन्हें न्यूनतम जीवन स्तर के लिए जरूरी सुविधाएं ना मिल पाएं, उन्हें गरीब नहीं तो क्या कहा जाएगा? भारत में गरीब सिर्फ 5.3 प्रतिशत लोग हैं, तो बाकी 20 प्रतिशत लोग, जो अनिवार्य सुविधाओं से वंचित हैं, उन्हें किस श्रेणी में रखा जाएगा?

कुछ ही समय पहले विश्व बैंक की एक रिपोर्ट भारत में जश्न का विषय बनी। उसमें कहा गया कि भारत में 2022-23 में चरम गरीबी की अवस्था में सिर्फ 5.3 प्रतिशत आबादी बची, जबकि 2011-12 में ऐसे लोगों की संख्या 27.1 फीसदी थी। विश्व बैंक ने ये रिपोर्ट प्रति दिन तीन डॉलर (2021 के मूल्य पर क्रय शक्ति समतुल्यता) खर्च क्षमता के अपने अंतरराष्ट्रीय पैमाने को ध्यान में रखते हुए तैयार की थी। अब उसी विश्व बैंक ने कहा है कि भारत में एक चौथाई आबादी (यानी 35 करोड़ से अधिक से लोग) न्यूनतम अपेक्षित जीवन स्तर से नीचे जिंदगी गुजार रहे हैं। ये लोग पौष्टिक आहार, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल, एवं शिक्षा की न्यूनतम सुविधाओं से वंचित हैं। विश्व बैंक प्रवक्ता का यह कथन गौरतलब हैः ह्यइसकी पुष्टि करने वाले साक्ष्य मौजूद हैं कि भारत में 2011 के बाद से घरेलू कल्याण की स्थिति सुधरी है। बहुआयामी गरीबी में गिरावट, और सामाजिक सुविधाओं के हस्तांतरण एवं प्रति व्यक्ति जीडीपी में सुधार के आंकड़े मौजूद हैं। मगर यह ध्यान में रखना चाहिए कि 2022-23 के घरेलू सर्वेक्षण के दौरान 2011-12 की तुलना में प्रश्नावली डिजाइन और सर्वेक्षण विधि में कई परिवर्तन किए गए। संभव है कि उस कारण घरेलू खर्च की गणना में बढ़ोतरी नजर आई हो। और गौरतलब है कि विश्व बैंक की गरीबी रेखा संबंधी रिपोर्ट प्रति व्यक्ति रोजाना खर्च क्षमता पर ही आधारित होती हैं। विश्व बैंक या संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं से जुड़ी एजेंसियों की रिपोर्टें सरकार की तरफ से दिए गए आंकड़ों पर निर्भर करती हैं। तो कोई सरकार चाहे तो इन रिपोर्टों से सामने आने वाली सूरत को अपने माफिक ढलवाने में काफी हद तक कामयाब हो सकती है। लेकिन ऐसा होना वैश्विक संस्थाओं की साख को कठघरे में खड़ा करता है। ताजा मुद्दा यह है कि जिन लोगों को न्यूनतम जीवन स्तर के लिए जरूरी सुविधाएं ना मिल पाती हों, उन्हें गरीब नहीं तो क्या कहा जाएगा? अगर भारत में गरीब सिर्फ 5.3 प्रतिशत लोग हैं, तो बाकी 20 प्रतिशत लोग, जो अनिवार्य सुविधाओं से वंचित हैं, उन्हें किस श्रेणी में रखा जाएगा?

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर राजद का आरोप: 'गरीबों, दलितों और किसानों को वोटर लिस्ट से हटाने की साज़िश'

मधुबनी। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के बिस्फी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता आरिफ जिलानी अम्बर ने शुक्रवार को खैरीबांका स्थित अपने निजी कार्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए आरोप लगाया कि यह अभियान भाजपा के इशारे पर गरीब, दलित, मजदूर और अल्पसंख्यक वर्गों को मताधिकार से वंचित करने की साज़िश है। उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण के नाम पर प्रदेश के लगभग 20 प्रतिशत मतदाताओं को सूची से हटाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे चुनाव की

निष्पक्षता पर सवाल खड़ा हो गया है। यह आयोग अब भाजपा की कठपुतली बन चुका है। हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह अब बिहार में भी 'खेला' करने की तैयारी है, उन्होंने कहा। आरिफ जिलानी ने आयोग को चेताते हुए कहा, यह सत्ता स्थायी नहीं है, लेकिन लोकतंत्र और संविधान स्थायी हैं। आयोग को किसी पार्टी की नहीं, संविधान की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ से पीड़ित और झुग्गियों में रहने वाले लोग, जिनके पास ठोस दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें सूची से बाहर किया जा रहा है। वे लोग जो हर साल बाढ़ में घर गंवाते हैं, वो दस्तावेज कहां से लाएं? - उन्होंने सवाल उठाया। राजद नेता ने चुनाव आयोग के रवैये को मनमाना और अलोकतांत्रिक करार दिया और कहा कि जब विपक्षी गठबंधन 'INDIA' के नेता आयोग से सवाल पूछते हैं, तो उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जाता। जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय ने भी आयोग को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा, हमारा वोट देने का अधिकार लोकतंत्र की रीढ़ है, और उसे योजनाबद्ध तरीके से कुचला जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे मतदाता सूची और मतदान की सीसीटीवी फुटेज मांगते हैं, तो आयोग महीनों तक जवाब नहीं देता। लेकिन बिहार में सिर्फ एक महीने में पूरी मतदाता सूची कैसे तैयार हो जाती है? प्रेस वार्ता में शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष पंकज यादव, अजीत कुमार मंडल, मुन्ना राम समेत कई स्थानीय नेता उपस्थित रहे और सभी ने इस पुनरीक्षण प्रक्रिया को लोकतंत्र पर खतरा बताया।

पंढरपुर आषाढ वारी पर वारकरियों का चिंचनी में हजारों भक्तों का मुफ्त स्वास्थ्य जांच एवं दवाई दी गई

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली/सोलापुर। इस्लामपुर पिछले 20 वर्षों से वारकरियों का विद्रोह सांस्कृतिक आंदोलन की ओर से आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर चिंचनी (तहसील पंढरपुर) आने वाले वारकरों के स्वास्थ्य जांच और मुफ्त दवा उपलब्ध कराई जाती है। यह पहल बड़वे हटाव और विट्ठल रुक्माई मंदिर मुक्ति आंदोलन की अवधारणा के साथ शुरू की गई थी। यह स्वास्थ्य शिविर 3 जुलाई को चिंचनी (जिला सोलापुर) में पिराची कुरोली के बीच आयोजित किया गया था। यह शिविर विठुमाऊली के शब्द शिल्प के बगल में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में धर्म, जाति और संप्रदाय के भेदभाव को भुलाकर वारकरों की सेवा की जाती है। उनके स्वास्थ्य की जांच की जाती है और मुफ्त में दवाइयां दी जाती हैं। पांढरी के वारकरियों को नाश्ता और पानी उपलब्ध कराया जाता है। वारकरों के साथ कीर्तन नाचने-गाने और ज्ञान के रंग-बिरंगे दीपक जलाने का अनुभव होता है। मोहन अनपट, डॉ. जालिंदर घीगे, डॉ. अमितकुमार सूर्यवंशी, डॉ. विलास कुमार, किरण मोहिते, डॉ. स्मृति गाडे, डॉ. अवतारजी उथळे, निकिता उथळे,

डॉ. प्रसाद पोतदार, डॉ. सौरभ पाटिल स्वास्थ्य जांच करेंगे। कॉ. धनजी गुरव, दीपक कोठावळे, बी. जी. पाटिल, प्रो. रंजीत चव्हाण, डॉ. राजेश दांडगे, उमेश कुरळपकर, डॉ. राम घुले, जालिन्दर घीगे, विशाल धस, बी.पी. पाटिल, चन्द्रशेखर क्षीरसागर, अजीत हवलदार, प्रो. मिलिंद साळ्वे, डॉ. भगवान पाटिल प्रो. शंकर चव्हाण, विक्की खेडकर, गजानन पाटिल, उमेश शेवाळे, विजय मांडके ने शिविर को सफल बनाने के प्रयास किये। वरदायिनी माता तरुण मंडल चिंचणी और ग्रामस्थ, संभाजी ब्रिगेड, नातं रक्ताचं परिवार, आद्यक्रांतिवीर राजे उमाजी नाइक ब्रिगेड, बलिराजा शेतकरी संगठन, प्रहार शिक्षक संगठन, शिवशंभु स्वराज्य प्रतिष्ठान और सभी समान विचारधारा वाले प्रगतिशील संगठनों के माध्यम से गतिविधियों को कार्यान्वित किया गया। पंढरपुर के रास्ते में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। यह शिविर पिछले बीस वर्षों से जारी है, हजारों वारकरी लोग स्वयं रुकते हैं और मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाते हैं। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी में महाराष्ट्र की सामाजिक चेतना और समृद्ध सांस्कृतिक जागरूकता को समृद्ध करना और ऐतिहासिक दिंडी की सेवा करना भी है। प्रेम, उत्साह और सेवा के उत्सव में इस्लामपुर के कर्मवीर भाऊराव पाटिल कॉलेज, मालती कन्या कॉलेज, यशवंतराव चव्हाण कॉलेज और शिराला कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक भाग लेते हैं। स्वास्थ्य शिविर में, विभिन्न डॉक्टरों और सामाजिक संगठनों द्वारा दवा की आवश्यकता को पूरा किया गया। इस अवसर पर वारकरी संप्रदाय का इतिहास बताने वाले पर्चे भी वारकरियों में वितरित किए गए। वारकरी परंपरा, शिवराय और संविधान नामक पुस्तक का विमोचन कॉ. भरत पाटणकर, कॉ. धनजी गुरव, डॉ. पाटिल और अन्य की उपस्थिति में किया गया।

डॉ.आर.ए.तिवारी फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क नोटबुक वितरण

सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक ट्रस्ट डॉ.आर.ए तिवारी फाउंडेशन द्वारा कंपोजिट विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क नोट बुक वितरित किया गया। ट्रस्ट से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मीनारायण (फलई) तिवारी के मुख्य संयोजन एवं वरिष्ठ समाजसेवी अरविंद तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी, राजनेता कैलाशनाथ दुबे थे। समाजसेवी अच्छेलाल विश्वकर्मा और रामयज्ञ तिवारी के आलावा बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे। विद्यालय के मुख्याध्यापक राजकमल राव ने सभी अतिथियों का स्वागत और विद्यालय के अध्यापक गणेश प्रसाद यादव ने संचालन किया। आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट के चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ.राधेश्याम तिवारी ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश के विकास में भागीदार बनने का संदेश दिया। शिक्षकों के कर्तव्य बोध को जागृत करते हुए कहा कि आप समाज की रीढ़ हैं। बिना आपके देश का विकास संभव नहीं है। आपकी सेवाओं के लिए देश सदैव ऋणी रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भेंडी बाजार के चाय प्रेमियों के लिए खुशखबरी

"Liberty Leafton Tea & Coffee" ला रहा है कड़क चाय का बेहतरीन स्वाद!

मुंबई। भेंडी बाजारः अगर आप चाय के शौकीन हैं और दिन की शुरुआत या शाम की राहत किसी खास चाय के साथ करना चाहते हैं, तो अब भेंडी बाजार में आपके लिए एक खास ठिकाना है - "Liberty Leafton Tea & Coffee"। यह दुकान शॉप नं. 6, ग्राउंड फ्लोर, पटका मंज़िल, शमा परफ्यूम के पास, भेंडी बाजार जंक्शन, मुंबई – 400003 पर स्थित है, और इन दिनों यहां की कड़क चाय हर किसी की जुबान पर चढ़ी हुई है। चाय का ऐसा स्वाद जो न सिर्फ जीभ को भाए बल्कि दिल को भी सुकून दे - यही पहचान बन गई है Liberty Leafton की। हाल ही में यहां की चाय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें चाय की हर एक चुस्की में गर्मजोशी, अपनापन और मिठास की झलक साफ

दिखती है। इस वायरल वीडियो ने चाय प्रेमियों के बीच धूम मचा दी है। 'Ek baar aap bhi chai ka maza le' – यही है Liberty Leafton का मंत्र। यहां की चाय का स्वाद इतना खास है कि एक बार पीने के बाद लोग बार-बार लौटकर आते हैं। सुबह की ताजगी हो या शाम का आराम, Liberty Leafton की चाय हर पल को खास बना देती है। दोस्तों के साथ गप्पें हो या परिवार के साथ कुछ मीठे पल, हर मौके पर यह चाय जुड़ाव और अपनापन का स्वाद देती है। **संपर्क करें या विज़िट करें:** Liberty Leafton Tea & Coffee शॉप नं. 6, पटका मंज़िल, शमा परफ्यूम के पास, भेंडी बाजार जंक्शन, मुंबई. मोबाइलः **9076155523**, एक बार जरूर आएं और चाय की हर घूंट में उस स्वाद का अनुभव करें जो सीधे दिल तक पहुंचता है। Liberty Leafton - जहाँ हर चाय एक कहानी है।

जेतपुर समेत पूरे सौराष्ट्र, गुजरात में इमाम हुसैन की याद में निकला ताज़िया जुलूस

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

जेतपुर। मोहर्रम इस्लामिक कैलेंडर का पहला महिना है। यह वह महिना है जब पैगंबर मुहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन अपने परिवार और 72 साथियों के साथ शहीद हो गए थे, उनकी शहादत की याद में इस महीने की शुरूआत में दस दिन तक शिया मुस्लिम इमाम हुसैन की याद में शौक (मातम) मनाते हैं। सुन्नी मुस्लिम समाज के लोग दुआए आशुरा पढ़ते नफील नमाजे पढ़ते और लंगर खाना, सरबत पीलाकर, दुआएं मांग ते हैं कई शहरों में जगह जगह ताजिया जुलूस निकाला जाता है। ताजिया बनाने के लिए हिंदू मुस्लिम एकता के साथ ताजिया बनाया जाता है। ताजिया बनाने में हिंदू भाइयों का भी साथ और सहकार मिलता है, खास तौर पर जेतपुर में साड़ी के कारखाने के कारीगर हैं और यहां के ताज़िया कलात्मक तरीके से बनाए जाते हैं। पुरे सौराष्ट्र जेतपुर के ताज़िए कलात्मक तरीके से बनाए जाते हैं। महात्मा गांधीजी बताते हैं की कास मेरे पास

इमाम हुसैन और उनके 72 साथी होते तो अंग्रेजो से भारत को 24 घंटे में आजाद करवा लेते। मोहर्रम कोई खुशीयों का त्योहार नहीं है बल्कि मातम (गम) का दिन है। मोहर्रम एक ऐसा महिना है, जिसे मुस्लिम समाज के लोग इमाम हुसैन और उनके 72 साथीयों की शहादत के गम में मनाते है। मोहर्रम के दिन इमाम हुसैन मोहर्रम महीने का 10वें दिन इस्लाम को बचाने के लिए शहीद हो गए। ये हिजरी संवत का प्रथम महिना है जिसे इस्लामिक नया साल भी कहते है। ये दिन मोहर्रम महीने का 1 ला दिन होता है। मोहर्रम की 1 तारीख हर साल बदलती रहती है क्युकी इस्लाम का कैलेंडर एक लूनर कैलेंडर होता है जो चांद दिखने के बाद सूरु होता है। मोहर्रम माह से ही इस्लामिक कैलेंडर की शुरूआत होती है। और जिलहज से साल पुरा होता है। ये दो दिन शोहदाए कर्बला की याद में लोग रोजा रखते हैं। सब जगह लंगर खाना, खीलाए जाते हैं सरबत, और पानी, भी पीलाए जाते हैं। प्यासों को पानी पीलाया जाता है। सरबत पिलाते हैं। भुखे को खाना खिलाया जाता है। और दुआएं आशुरा पढ़ी जाती है। नमाजे पढी जाती है और खुब अल्लाह की बंदगी की जाती है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

उद्धव-राज के गठबंधन ने बढ़ाई शिंदे की टेंशन

जिसमें ठाकरे बंधुओं की एकता से किसको बड़ा नुकसान होने वाला है? एकनाथ शिंदे पर इसका क्या कुछ असर होगा? और बीजेपी के लिए यह गठबंधन नुकसानदायक होगा या लाभदायक? जैसे प्रश्न मुख्य हैं। हमने इनका जवाब तलाशने की कोशिश की है। चचेरे भाईयों के एक साथ आने का सबसे तात्कालिक और सीधा प्रभाव एकनाथ शिंदे खेमे पर पड़ता दिख रहा है, क्योंकि इससे शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत पर उपमुख्यमंत्री के दावे को नुकसान पहुंचने का खतरा है और मूल मराठी मतदाताओं के बीच उनकी स्थिति को चुनौती मिल सकती है। बाल ठाकरे के बेटे और भतीजे के एकजुट होने के बाद शिंदे को बाहरी और गद्दार का टैग हटाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इतना ही नहीं उन्हें अपने क्षेत्र ठाणे में एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा महाराष्ट्र के अन्य शहरी इलाकों में भी असर पड़ेगा।

नागपुर में 'दिशा' बनी 'सोनम'

पुलिस के अनुसार इस तनाव के बाद ही दिशा और आसिफ ने चंद्रसेन को रास्ते से हटाने की साजिश बना ली थी। दिशा ने शुक्रवार (4 जुलाई) को दिशा ने चंद्रसेन को कथित तौर पर बिस्तर पर ही पकड़ा और आसिफ ने तकिया लेकर उसका चेहरा दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने बताया है कि महिला ने पहले काफी नाटक किया और दावा किया कि बीमारी के कारण पति की मौत हो गई। लेकिन जब पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया तो कुछ और ही सामने आया। पोस्टमार्टम में पति की मौत बीमारी के चलते नहीं बल्कि गला घोटे जाने के कारण हुई, ये जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस को शक हुआ और पुलिस ने दिशा से सख्ती से पूछताछ की, जिसके बाद दिशा ने अपना अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

निरहुआ का चैलेंज

दिनेश लाल यादव ने कहा मुझे लगता है, यह जो लोग भी कर रहे हैं, यह गंदी राजनीति है। देश में कहीं भी ऐसा नहीं होना चाहिए। यह देश अपनी विविध भाषाओं और संस्कृतियों के लिए पहचाना जाता है। इसीलिए इसे विविधता में एकता बनाए रखने वाला देश कहा जाता है, यही तो हमारे देश की खासियत है। मुझे लगता है कि इस तरह की गंदी राजनीति करने वालों को ऐसा करने से बचना चाहिए और संभल जाना चाहिए, यह तोड़ने की राजनीति है, जोड़ने की नहीं। दिनेश लाल यादव ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि अगर दम है तो मुझे महाराष्ट्र से निकाल कर दिखाओ, मैं मराठी नहीं बोलता। मैं किसी भी नेता को खुला चैलेंज देता हूं कि अगर तुम्हारे अंदर दम है तो मुझे महाराष्ट्र से निकाल कर दिखाओ। मैं मराठी नहीं बोल रहा हूं। यह गंदी राजनीति है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं एक पॉलिटिशियन हूं मेरा मानना है कि राजनीति लोगों के वेलफेयर के लिए होनी चाहिए उनका शोषण करने के लिए नहीं।

नहीं रुकेगा शक्तिपीठ हाईवे प्रोजेक्ट

इस मार्ग के क्षेत्र में जल संरक्षण का काम किया जाएगा, जिससे सूखे प्रभावित इलाकों को राहत मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी परियोजना के शुरू होने पर विरोध होना स्वाभाविक है, लेकिन विरोध के कारण राज्य का विकास नहीं रुकना चाहिए। शक्तिपीठ हाईवे को जनता का बड़ा समर्थन प्राप्त है, जबकि कुछ राजनीतिक नेता इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं, ऐसा भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाया। समृद्धि महामार्ग के बाद शक्तिपीठ महामार्ग राज्य सरकार का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। राज्य सरकार ने शक्तिपीठ महामार्ग बनाने पर पूरा ध्यान दे रही हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार की मुंबई मंत्रालय ने 24 जून को शक्तिपीठ हाईवे को मंजूरी दी।

यौमे आशूरा पर समाजसेवक कय्युम तांबोली के निवास पर विशेष इफ्तार व डिनर का आयोजन

सांताक्रूज (मुंबई)। यौमे आशूरा के मुबारक मौके पर समाजसेवक जनाब कय्युम तांबोली साहब के निवास स्थान पर एक शानदार इफ्तार और डिनर का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाज के विभिन्न तबकों से बड़ी संख्या में लोग शरीक हुए और एकता, भाईचारे और इंसानियत का बेहतरीन पैगाम दिया। कार्यक्रम की शुरूआत मदरसे के नन्हें बच्चों द्वारा कुरआन की तिलावत से हुई। इसके बाद करबला के शहीदों की याद में दुआ और मजलिस का आयोजन किया गया, जिसमें हजरत इमाम हुसैन रज़ि.अ. और शोहदाए करबला को खिराज-ए-अकीदत पेश की गई। उपस्थित लोगों ने करबला की कुबार्नी से मिलने वाले सबक – हक, सब्र, इंसाफ और सच्चाई – को दिल से महसूस किया। इस पाक मौके पर कई प्रमुख समाजसेवक, पत्रकार और धार्मिक शख्सियतें मौजूद रहीं। मुख्य अतिथियों में शामिल थेः वरिष्ठ पत्रकार एवं कांग्रेस पदाधिकारी जनाब जफर सिद्दीकी साहब, समाजसेवक अय्यूब भाई, तारीक खान, हुसैन तांबोली, जुनैद तांबोली, अनसार भाई, अजीम भाई, जाफर भाई, जहीर भाई, राजु भाई, एजाज भाई, इकबाल भाई, गुलफाम खान भाई, जुहू मस्जिद और अल अंसार मस्जिद के इमाम, मशहूर आलिम-ए-दीन मौलाना मुसा (सांताक्रूज), युवा प्रतिनिधि एजाज अतहर, शोहेब तांबोली, सोहेल तांबोली, रॉकी अजिज सहित अनेक बुजुर्ग और नौजवान। इस अवसर पर जनाब कय्युम तांबोली साहब ने कहा, करबला कोई गुजरी हुई तारीख नहीं, बल्कि एक ज़िंदा पैगाम है जो हमें सिखाता है कि हक के लिए डट कर खड़े रहें, जुल्म के खिलाफ आवाज उठाएं और इंसानियत के उसूलों को कायम रखें। उन्होंने सभी मेहमानों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और समाज में भाईचारे, अमन और मोहब्बत को मजबूत बनाने की अपील की। कार्यक्रम का समापन शानदार इफ्तार और लजीज डिनर के साथ हुआ, जहाँ सभी ने मिलकर रोजा खोला और आपसी सौहार्द की एक मिसाल पेश की।

फ्रांसीसी खुफिया रिपोर्ट में दावा: राफेल लड़ाकू विमान को बदनाम करने के लिए 'दुष्प्रचार' कर रहा है चीन

चीन अपने लड़ाकू विमानों को बेचने के लिए कर रहा गलत प्रचार

मुंबई हलचल / पेरिस

भारत-पाकिस्तान संघर्ष की आड़ में चीन फ्रांस के राफेल लड़ाकू विमानों के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है और इस काम में उसके दूतावास विभिन्न देशों को राफेल लड़ाकू विमान न खरीदने और चीनी जेट खरीदने के लिए मनाने में जुटे

फ्रांस की सैन्य और खुफिया एजेंसियों ने अपनी एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि चीन अपने दूतावासों के जरिए फ्रांस के लड़ाकू विमान राफेल फाइटर जेट के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है और फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों की क्षमता पर संदेह पैदा करने की कोशिश कर रहा है। खासकर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के बाद इस दुष्प्रचार में तेजी आई है। चीन, राफेल लड़ाकू विमानों के मुकाबले अपने लड़ाकू विमानों को बेहतर बनाकर पेश कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन के दूतावासों में तैनात डिफेंस अताशे विभिन्न देशों को राफेल लड़ाकू जेट नहीं खरीदने पर जोर दे रहे हैं। खासकर इंडोनेशिया को मनाने की कोशिश हो रही है, जो राफेल जेट खरीदने पर विचार कर रहा है। इतना ही नहीं चीन अपने लड़ाकू विमानों का प्रचार कर रहा है और विभिन्न देशों पर उन्हें खरीदने के लिए जोर डाल रहा है।

चीन निर्मित हथियारों के प्रदर्शन पर उठे सवाल?

पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई में भारत और पाकिस्तान के बीच भीषण संघर्ष हुआ था, जिसमें मिसाइलों और लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया। सैन्य विशेषज्ञ अब इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि पाकिस्तान के चीन में निर्मित हथियारों खासकर लड़ाकू विमानों ने भारत के फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के खिलाफ कैसा प्रदर्शन किया। पाकिस्तान का दावा है कि उसने भारत के पांच लड़ाकू विमान गिराए, जिनमें तीन राफेल जेट भी शामिल हैं। हालांकि फ्रांस के वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलेंजर ने कहा कि भारत ने संभवत: तीन लड़ाकू विमान खोए, जिनमें एक राफेल, एक सुखोई और एक मिराज 2000 शामिल है।

सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार

इसके तहत सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल की जा रही हैं, जिनमें फर्जी तस्वीरों के जरिए राफेल के मलबे को दिखाया जा रहा है। साथ ही एआई जेनरेट कंटेंट और वीडियो गेम की क्लिप दिखाकर राफेल को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बाद एक हजार से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट बनाए गए, जो चीन की सैन्य तकनीक को बेहतर बताने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर फैलाई जा रहीं फर्जी खबरें

फ्रांस के रक्षा निर्यात में राफेल अहम

फ्रांस ने अभी तक जितने भी देशों को राफेल लड़ाकू जेट बेचे हैं, उनमें पहली बार राफेल के निशाना बनने की बात सामने आई है। बेलेंजर ने कहा कि लड़ाकू विमान अगर गिरा है, तो इस बारे में उस देश से सवाल पूछा जाना चाहिए। फ्रांस के हथियार निर्यात में बड़ा हिस्सा राफेल और उससे जुड़े उपकरण हैं। यह फ्रांस का विभिन्न देशों से संबंध बेहतर करने का भी प्रमुख जरिया है। खासकर एशिया में, जहां चीन अपना दबदबा बढ़ा रहा है। हालांकि इन दिनों फ्रांस को चीन के दुष्प्रचार से जूझना पड़ रहा है। जिसमें पाकिस्तान और चीन दोनों शामिल हैं।

अब जापानी वैज्ञानिकों ने बनाया कृत्रिम रक्त, ब्लड ग्रुप की चिंता किए बिना भी चढ़ सकेगा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

जापानी वैज्ञानिकों ने रक्त की इस कमी को दूर करने के लिए कृत्रिम रक्त यानी आर्टिफिशियल तरह का खून विकसित कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे असली रक्त के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इतना ही नहीं सबसे खास बात ये है कि इसका उपयोग किसी भी ब्लड ग्रुप के लिए किया जा सकता है और इसे बिना रेफ्रिजरेशन के लंबे समय तक सुरक्षित भी रखा जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आपातकालीन चिकित्सा के दौरान सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौती को दूर करने और लोगों की जान बचाने में काफी मददगार हो सकती है। खबरों के मुताबिक जापान स्थित नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम इस साल एक क्लीनिकल ट्रायल शुरू करने जा रही है। जिसमें परीक्षण किया जाएगा कि क्या सामान्य रूप से फेंक दिए जाने वाले एक्सपायर हो चुके रक्त को कृत्रिम लाल रक्त कोशिकाओं में बदलकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है?

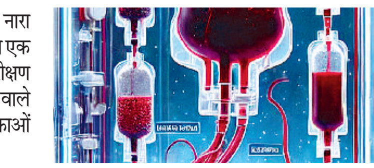

24 सदस्यीय टीम ने की तकनीकी जांच, 915 करोड़ रुपए का है फाइटर जेट

तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर ब्रिटेन का फाइटर प्लेन एफ-35 बी 22 दिन बाद हैंगर में शिफ्ट किया

हाइड्रॉलिक फेल्योर के कारण टेक ऑफ करना संभव नहीं हुआ

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर 22 दिनों से खड़ा ब्रिटिश एफ-35बी स्टील्थ फाइटर जेट आखिरकार रविवार को हटा दिया गया। यह विमान 14 जून को आपातकालीन लैंडिंग के बाद वहां फंसा हुआ था। विमान को ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के एयरबस ए 400 एम एटलस से आई 24 सदस्यीय विशेषज्ञों की टीम ने तकनीकी जांच के बाद हैंगर में शिफ्ट किया।

ब्रिटिश एफ-35बी जेट एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर ग्रुप का हिस्सा है और केरल के तट से करीब 100 नॉटिकल मील दूर समुद्री अभ्यास कर रहा था। खराब मौसम और ईंधन की कमी के कारण इसे तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। भारतीय वायुसेना ने इस लैंडिंग में सहयोग करते हुए ईंधन और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की थी, लेकिन जब विमान को वापस ले जाने की तैयारी हो रही थी।

हैंगर में शिफ्ट करने को राजी हुई ब्रिटिश टीम

ब्रिटिश नेवी की एक छोटी टीम ने विमान की मरम्मत की कोशिश की, लेकिन तकनीकी जटिलताओं के कारण वे असफल रहे। इसके बाद ब्रिटिश टीम ने एअर इंडिया द्वारा विमान को हैंगर में रखने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

एफ-35 बी जेट पर बने मीम्स

इस दौरान सोशल मीडिया पर एफ-35 बी जेट मजाक और मीम्स का विषय भी बना। एक्स पर लोगों ने इसे 'आधार कार्ड' से लेकर बॉलीवुड डायलॉग तक में शामिल किया। यहां तक कि केरल टूरिज्म ने भी एक मजेदार पोस्ट के जरिए इस पर चुटकी ली। यह देखना होगा कि ब्रिटिश तकनीकी टीम इसे उड़ान लायक कब बना पाती है और कब यह एचएमएस प्रिंस ऑफ वाल्स में वापस लौटता है।

सीमित क्षेत्र से भर सकता है उड़ान

एफ-35 बी लाइटनिंग दुनिया का सबसे आधुनिक पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट है, जिसकी कीमत करीब 110 मिलियन डॉलर (करीब 915 करोड़ रुपए) है। यह एसटीओवीएल यानी शॉर्ट टेक ऑफ एंड वर्टिकल लैंडिंग क्षमता से लैस है और छोटे डेक या सीमित क्षेत्र वाले बेस से उड़ान भरने में सक्षम है।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने दलाई लामा को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा रविवार को 90 साल के हो गए हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने दलाई लामा को 'प्यार, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन' का प्रतीक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। पीएम मोदी ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की तरफ से वो दलाई लामा को शुभकामनाएं देते हैं।

तालिबान को मान्यता देने की जल्दी में नहीं है पाक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वे फिलहाल अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देने की जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कोई भी फैसला देश के हितों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। पाकिस्तान का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब एक दिन पहले ही रूस ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देने का एलान कर दिया है।

भारत-अर्जेंटीना के बीच ड्रोन प्रौद्योगिकी साझेदारी पर हुई चर्चा

वन्यजीवों का संरक्षण और विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन की उपयोगिता एवं संभावनाएं तलाशेंगे दोनों देश

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्जेंटीना की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान दक्षिण अमेरिकी राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कुमारन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और माइली के बीच बातचीत में ड्रोन के उपयोग और विभिन्न उद्देश्यों के लिए उनके उपयोग पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) को 2023 में पीएम मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों का संरक्षण करना है, जिसमें संबंधित हितधारकों के बीच सहयोग और तालमेल की सुविधा, दुनिया भर में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण को प्राप्त करने के लिए सफल संरक्षण प्रथाओं और विशेषज्ञता का समेकन जैसे उद्देश्य शामिल हैं और यह वैश्विक वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत के नेतृत्व और प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

◆ ड्रोन के उपयोग से हेलीकॉप्टर पर निर्भरता होगी कम

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना को अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होने आमंत्रित किया

ब्राजील पहुंचे पीएम मोदी, ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर हुआ स्वागत

पीएम मोदी अर्जेंटीना के बाद अब ब्राजील पहुंच गए हैं। यहां भारतीय समुदाय ने उनका भव्य स्वागत किया। पीएम मोदी के सामने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर एक नृत्य प्रस्तुत किया गया। पीएम मोदी यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी का ब्राजील की चार दिवसीय यात्रा पर रियो डी जेनेरियो पहुंचे हैं। यहां पर भारतीय समुदाय ने उनका भव्य स्वागत किया। ब्राजील में पीएम मोदी 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। वहीं भारतीय प्रवासियों ने रियो डी जेनेरियो में पीएम मोदी के स्वागत में पारंपरिक नृत्य और लोकगीत प्रस्तुत किए। इसमें खास बात यह रही कि पीएम मोदी के सामने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित 'ये देश नहीं मिटने दूंगा' गीत पर एक नृत्य प्रस्तुति भी की गई। इस दौरान पीएम मोदी ने भारतीयों से बात भी की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने ब्राजील पहुंचने की जानकारी दी।

मवेशियों के प्रबंधन में ड्रोन का उपयोग

पी. कुमारन ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, पीएम मोदी और राष्ट्रपति माइली के बीच अवैध, अनियमित और अप्रतिबंधित मछली पकड़ना, विशेष रूप से अर्जेंटीना के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में मछुआरों का अतिक्रमण और आईयूयू मछली पकड़ने से निपटने के लिए इसका उपयोग करने के बारे में चर्चा हुई। इसके अलावा, मवेशियों के प्रबंधन के लिए ड्रोन का उपयोग करने, सीमा निगरानी के लिए कृषि उत्पादकता बढ़ाने के बारे में भी चर्चा हुई और अर्जेंटीना पक्ष ने इस बारे में भी बात की कि कैसे ड्रोन पारंपरिक रूप से हेलीकॉप्टरों पर निर्भरता के बजाय ड्रोन का उपयोग करके उच्च तनाव वाली बिजली ट्रांसमिशन लाइनों की निगरानी में मदद कर सकते हैं, जो बहुत अधिक महंगा है। सहयोग के एक अन्य नए क्षेत्र के बारे में, कुमारन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अर्जेंटीना को अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। वहीं, दोनों नेताओं ने भारत द्वारा संचालित एक पहल के तहत सहयोग पर चर्चा की, जिसे अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस कहा जाता है। यह छह चिन्हित बड़ी बिल्लियों- शेर, बाघ, जगुआर आदि के संरक्षण में आईबीसीए के सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में सेंध

ट्रंप के गोल्फ कोर्स पर उड़ रहे प्लेन को लड़ाकू विमान ने खदेड़ा

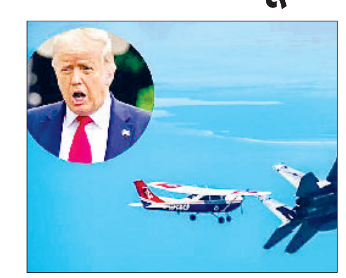

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिकी वायुसेना ने न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्फ कोर्स के ऊपर उड़ रहे एक नागरिक विमान को रोकने के लिए लड़ाकू जेट भेजा। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला सप्ताहांत के लिए न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी जब वीकेंड पर न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर स्थित निजी गोल्फ कोर्स में मौजूद थे, उसी दौरान उनकी सुरक्षा में बड़ी सेंध लगने से हड़कंप मच गया।

शनिवार 5 जुलाई को एक नागरिक विमान ने अस्थायी उड़ान प्रतिबंध (टीएफआर) का उल्लंघन किया, जिसके बाद उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) के लड़ाकू विमान ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस विमान को इंटरसेप्ट कर रोक दिया।

5 बार नियमों का किया उल्लंघन

बयान में बताया गया कि यह दिन भर में पांचवां टीएफआर उल्लंघन था। इससे पहले तीन और उल्लंघन हो चुके थे जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई। अमेरिकी एयरफोर्स ने सभी पायलटों को एफएए द्वारा जारी नोटिस टू एयर मिशन यानी नोटम पढ़ने और पालन करने की सख्त हिदायत दी है। एयरफोर्स ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यदि आप बेडमिंस्टर, एनजे के आस-पास उड़ान भरने की सोच रहे हैं, तो नोटम्स 1353, 1358, 2246, और 2247 पर जरूर नजर डालें। ये सुरक्षा के लिए हैं, कोई बहाना नहीं चलेगा! सावधान रहें और प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से बाहर रहें। एनओआरएडी द्वारा एफटीआरए उल्लंघन की स्थिति में कैसे कार्रवाई की जाती है, इसके लिए उन्होंने एक वीडियो लिंक भी साझा किया है, जो जागरूकता बढ़ाने के लिए है।

प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में था विमान

एनओआरएडी ने जानकारी दी कि यह घटना दोपहर 2:39 बजे (ईडीटी) हुई जब सामान्य नागरिक विमान ने प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया। एनओआरएडी के फाइटर जेट ने हेडबट रणनीति अपनाते हुए पायलट का ध्यान खींचा और विमान को सुरक्षित रूप से प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से की अपील

प्रौद्योगिकी,जनहित को 'कार्य संस्कृति' का अटूट अंग बनाएं

सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस पर अमूल डेयरी के परिसर में बोले

मुंबई हलचल / आणंद

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से अपील की कि वे सफलता प्राप्त करने के लिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी का उपयोग और सहकारी संगठनों के सदस्यों के हितों को अपनी कार्य संस्कृत में सर्वोच्च स्थान दें। सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर शाह ने यहां अमूल डेयरी के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और सदस्यों (सहकारी क्षेत्र के किसानों और समितियों) को साथ रखना अहम है। शाह ने कहा कि प्रौद्योगिकी के बिना सहकारी समितियां समृद्ध नहीं हो सकतीं।

2 लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियां

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में दो लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसी) का पंजीकरण, त्रिभुवन, पहले राष्ट्रीय सहकारिता विश्वविद्यालय की नींव रखी गई है और डेयरी क्षेत्र में 3 नई राष्ट्रीय सहकारी समितियों का निर्माण किया गया है। शाह ने इस क्षेत्र से 5 'पी' - 'पीपुल्स' (जनता), 'पीएसी', 'प्लेटफॉर्म' (मंच), 'पॉलिसी' (नीति) और 'प्रोस्पेरिटी' (समृद्धि) पर ध्यान देने का आग्रह किया।

3 सिद्धांतों को कामकाज में शामिल करें

शाह ने सहकारी समितियों से 3 सिद्धांतों को अपनी कार्य संस्कृति में शामिल करते हुए जम्मू-कश्मीर से लेकर 'कामाख्या' और देश के हर गांव में इनका प्रचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुजरात में नमक सहकारी समिति की शुरुआत सहित कार्यक्रम के दौरान शुरू की गई दस पहलों से अमूल की तरह एक मजबूत ब्रांड का निर्माण होगा।

4 साल पहले रखी गई इसकी नींव

शाह ने कहा कि 4 साल पहले मोदी ने 'सहकारिता से समृद्धि' के मंत्र के साथ सहकारिता मंत्रालय की नींव रखी थी, जिससे सहकारी व्यवस्था में नई जान आई। उन्होंने कहा कि दुग्ध सहकारी संस्था अमूल का वार्षिक कारोबार अगले साल 80,000 करोड़ से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। शाह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे सहित 67 सड़कें 'जाम'

प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से सड़कों के बंद होने का सिलसिला नहीं थमा

उत्तराखंड में कुदरत की मार, लोगों में हाहाकार

मुंबई हलचल / उत्तरकाशी

यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी के समीप एनएच विभाग की ओर से करीब 24 मीटर लंबे स्पान के बैली ब्रिज का निर्माण कर रहा है। स्यानाचट्टी में सिंचाई विभाग की ओर से यमुना नदी में बनी झील के मुहाने से मलबा हटाने का कार्य जारी है। 28 जून क यमुनोत्री हाईवे का हिस्सा ओजरी में बह गया था। बारिश के बाद मलबा आने से सड़कों का बंद होने का सिलसिला थमा नहीं है। ऋषिकेश-यमुनोत्री-राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 67 सड़के बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रुद्रप्रयाग जिले में चार ग्रामीण सड़कें, उत्तरकाशी में एक एनएच सहित 11 ग्रामीण सड़कें, नैनीताल में 2, चमोली में एक राज्य मार्ग सहित 21 ग्रामीण सड़कें, पिथौरागढ़ में 6ग्रामीण, अल्मोड़ा में 1 राजमार्ग और 1 ग्रामीण, बागेश्वर जिले में 11 ग्रामीण, पौड़ी गढ़वाल में 3ग्रामीण, देहरादून में 2ग्रामीण और टिहरी जिले में 3 ग्रामीण सड़कें बंद हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बोले

भारत के चुनाव में यूएसएआईडी के दखल के ट्रंप के दावे पर जांच में जुटी एजेंसियां

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूएसएआईडी द्वारा भारत में किसी और को चुनाव जिताने के लिए 21 मिलियन डॉलर की धनराशि दिए जाने के दावे को केंद्र सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में कहा कि यूएसएआईडी की गतिविधियों और फंडिंग को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके प्रशासन की तरफ से किए गए खुलासों के बारे में हमें जानकारी है।

जिनसे भारत के अंदरूनी मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर गंभीर चिंता पैदा हुई है। लेकिन हमारे यहां कुछ एजेंसियां और मंत्रालय इस मामले की जांच कर रहे हैं। ऐसे में अभी इस पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी करना बेहद जल्दबाजी होगा। उन्होंने कहा कि देश में कई एकाइयां और मंत्रालय हैं जो यूएसएआईडी के साथ काम करते हैं। उनके द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे की पड़ताल की जा रही है। ऐसे में जैसे ही इसे लेकर कोई जानकारी मिलेगी, हम उसे मीडिया के साथ साझा करेंगे।

नेपाल के छात्रों की सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध, उठाए जाएंगे सभी जरूरी कदम

राष्ट्रपति ट्रंप का दावा

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों बाइडन प्रशासन के भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर यूएसएआईडी द्वारा निर्वाचन आयोग को 21 मिलियन डॉलर दिए जाने के फैसले पर सवालिया निशान लगाया गया था। उनका यह दावा हालांकि एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डोज) के यूएसएआईडी द्वारा भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 21 मिलियन डॉलर का योगदान देने के बयान के बाद किया गया था। जिससे देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मुख्य रूप से केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी दल कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। ट्रंप ने अपने बयान में ये भी कहा था कि हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 21 मिलियन डॉलर देने की जरूरत क्यों है? वाह, मुझे लगता है कि वे (बाइडन प्रशासन) किसी ओर को सत्ता में लाने की कोशिश कर रहे थे। हमें इसके बारे में भारत सरकार को बताना होगा।

सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता

ओडिशा के केआईआईटी में बीते दिनों नेपाल की छात्रा की आत्महत्या के मामले पर रणधीर ने कहा कि संस्थान में छात्रा द्वारा की गई आत्महत्या की घटना सामने आने के बाद हम बहुत दुखी हैं। मंत्रालय पीड़ित के परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं प्रकट करता है। केंद्र सरकार सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की देश में सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इस घटना के सामने आने के बाद मंत्रालय ओडिशा सरकार, केआईआईटी और नेपाल की अथॉरिटी के साथ भी लगातार संपर्क में है। नेपाल की अथॉरिटी को ओडिशा सरकार द्वारा उठाए गए तमाम कदमों के बारे में जानकारी दी गई है। भारत और नेपाल के लोगों के बीच मौजूद मजबूत संबंधों में वहां के छात्र भी शामिल हैं। इसे देखते हुए सरकार उनकी सुरक्षा और हितों की पूर्ति के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

उच्च स्तरीय समिति बनी, आरोपी गिरफ्तार

जायसवाल ने बताया कि ओडिशा पुलिस ने मामले में कुछ गिरफ्तारियां की हैं। जिसमें आरोपी भी शामिल है। सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साथ ही प्रदेश सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। जिसकी सिफारिशों के आधार पर उचित कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार नेपाल के छात्रों को भारत से वापस भेजने या वहां से यहां लाने की सुविधा प्रदान कर रही है। छात्रों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने जरूरी कदम उठाए हैं और नेपाली छात्रों को चौबीसों घंटे मदद देने के लिए एक हेल्पलाइन भी शुरू की गई है।

स्कूल ने एक दिन का भी नहीं दिया वेतन, महिला टीचर ने उठाया खौफनाक कदम

तिरुवनन्तपुरम। केरल में एक कैथोलिक स्कूल की युवा शिक्षिका ने कथित तौर पर पिछले छह वर्षों से वेतन न मिलने के कारण आत्महत्या कर ली। पीड़िता की पहचान 29 वर्षीय अलीना बेनी के रूप में हुई है, जो कोझिकोड जिले के कोडेनचेरी में सेंट जोसेफ लोअर प्राइमरी स्कूल की शिक्षिका थी। अलीना बेनी बुधवार दोपहर अपने घर पर मृत पाई गईं। उनकी मौत ने राज्य में शिक्षकों के अधिकारों और स्कूल प्रशासन की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अलीना पिछले जून से सेंट जोसेफ स्कूल में पढ़ा रही थीं, लेकिन इससे पहले वह पांच वर्षों तक थमारास्सेरी धर्मप्रांत के अंतर्गत नाज़रेथ लोअर प्राइमरी स्कूल में कार्यरत थीं। उनके पिता बेनी ने आरोप लगाया कि अलीना को पहले स्कूल में एक बर्खास्त रिक्ति पर नियुक्त किया गया था, लेकिन मूल कर्मचारी के वापस लौटने पर उनकी नौकरी चली गई। इसके बाद कई प्रयासों के बाद प्रबंधन ने उन्हें सेंट जोसेफ स्कूल में नियुक्त किया, लेकिन पिछले छह वर्षों में एक दिन का भी वेतन नहीं दिया गया। बेनी ने कहा कि धर्मप्रांत की शैक्षिक एजेंसी ने अलीना से जबरन लिखवाया कि वह पिछले पांच वर्षों के लिए वेतन की मांग नहीं करेगी। मेरी बेटी नौकरी पाने की उम्मीद में सहमत हो गई, लेकिन लगातार वेतन न मिलने से वह मानसिक तनाव में थी। बस यात्रा के लिए स्कूल पीटीए से मदद मिलती थी, लेकिन चर्च प्रबंधन ने कोई आर्थिक सहायता नहीं दी।

नौकरी के लिए स्कूल प्रशासन को दी मोटी रकम

चौंकाने वाली बात यह है कि अलीना के परिवार ने प्रबंधन को नौकरी सुनिश्चित कराने के लिए बड़ी रकम भी दी थी। हालांकि, उनकी नियुक्ति स्थायी नहीं हो सकी। इस पर थमारास्सेरी डायोसीज़ कॉर्पोरेट एजुकेशनल एजेंसी के मैनेजर फादर जोसेफ वर्गीस ने कहा, अलीना जैसी कई शिक्षिकाएं हमारे स्कूलों में काम कर रही हैं। उनकी स्थायी नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग को आवेदन भेजा गया था, लेकिन तकनीकी कारणों से मंजूरी नहीं मिल पाई।

शिक्षा मंत्री ने घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

घटना के बाद केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा, शिक्षा महानिदेशक को मामले की जांच का आदेश दिया गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अलीना की मौत ने राज्यभर में आक्रोश पैदा कर दिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विट्ठल भजन और सेवा का संगम : 500 जरूरतमंदों को रेनकोट व नाश्ता वितरित

मुंबई। मुकुल माधव फाउंडेशन और फिनोलेक्स पाइप्स ने वीएसएसएस मुंबई, वीएसएसएस खार बांद्रा और महिला मंडलों के सहयोग से महाराष्ट्रीयन संस्कृति की एक उत्थान शाम का आयोजन किया, जिसमें विकास शिंदे वरकरी समूहों को विट्ठल के भजन गाने और तंबूरा, तबला आदि बजाने के लिए प्रेरित किया, इसके बाद खार डांडा झुग्गियों, सांताक्रूज हटमेंट्स के जरूरतमंद लोगों को रेनकोट वितरित किए गए। गुरुवार, 3 जुलाई, शाम 7 बजे। हमने उन्हें चाय और नाश्ता परोसा, जिससे 500 लोगों में खुशी फैल गई। हमारे दानदाताओं को तहे दिल से शुक्रिया, और श्रीमती रितु प्रकाश छाबड़िया, डॉ. अजीत मनियाल, डॉ. वैष्णवी, मेरे परिवार, रंजना, रजनी और वीएसएसएस टीम को उनके अविश्वसनीय समर्थन के लिए विशेष आभार।

उदयपुर फाइल्स का सोशल मीडिया पर विरोध की पोस्ट, सैयद और शराफत गिरफ्तार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर। राजस्थान में झीलों की नगरी उदयपुर शहर में 3 साल पूर्व सरेआम कन्हैयालाल टेलर के निर्माण हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स का मुस्लिम समुदाय में अंदर ही अंदर विरोध शुरू होने लग गया है और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण फिल्म के रिलीज होने से एक सप्ताह पूर्व सोशल मीडिया पर मुस्लिम समुदाय के दो युवकों द्वारा सोशल मीडिया पर बाय कार्ड का एक संदेश वायरल कर दिया इस वायरस संदेश को लेकर पुलिस ने स्वयं संज्ञान लेते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। राजस्थान ही नहीं देशभर में चर्चित हुए कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' आने वाली है। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। इसका ट्रेलर जारी होने के बाद से कुछ लोग अंदरखाने विरोध करने लगे हैं। सूरजपोल थानाधिकारी रतन सिंह चौहान ने वायरल मैसेज के आधार पर स्वत संज्ञान लेते हुए गौसिया कॉलोनी किशनपोल निवासी सैयद हाफिज उर्फ बबलू और शराफत खान

उर्फ बबलू पर केस दर्ज किया है। रिपोर्ट में बताया गया कि इंस्टाग्राम आईडी से फिल्म का बायकॉट करने के सम्बंध में स्टोरी शेयर की गई। इसमें फिल्म को सिनेमा हॉल में लगने से रोकने के लिए लोगों को एकजुट होने का आह्वान करने का मैसेज लिखा मिला।आरोपी सैय्यद हाफिज से पूछताछ की तो उसने फिल्म को धर्म के खिलाफ बताया तथा साथ ही बताया कि बायकॉट के लिए पड़ोसी शराफत खान ने कहा था। आरोपी शराफत ने भी मैसेज भेजना स्वीकार करते हुए कहा कि फिल्म से धार्मिक भावना आहत होना मानते हुए समुदाय को एकजुट करने की सोच थी।विदित है कि उदयपुर फाइल्स एक सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है, जो सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में बताया गया है कि किस तरह एक साधारण दर्जी कन्हैयालाल, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के चलते एक घातक साजिश का शिकार हो गया। फिल्म में घटना से पहले और बाद की परिस्थितियों को दिखाया गया है, साथ ही जांच एजेंसियों की कार्रवाई और लोगों की प्रतिक्रियाओं को भी चित्रित किया गया है।

यह था पूरा मामला

28 जून 2022 को उदयपुर शहर के धानमंडी इलाके में कन्हैयालाल नामक एक दर्जी की उसी की दुकान में दिनदहाड़े 2 कट्टरपंथी युवकों ने उसका गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी थी। हमलावरों ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया था और बाद में सोशल मीडिया पर शेयर कर खुलेआम हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

हाईकोर्ट में दायर याचिका पर आज सुनवाई

दूसरी और उदयपुर फाइल्स पर मुस्लिम संगठनों की फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है तथा मौलाना अरशद मदनी सहित जमीयत ने लगाया सेंसर बोर्ड के नियमों के उल्लंघन का आरोप। इस फिल्म को लेकर मुस्लिम संगठनो ने हाईकोर्ट मे ,ओक लगाने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी जिसकी सोमवार को हाई कोर्ट में सुनवाई होगी।

जमीअत उलमा-ए-हिन्द बीकानेर ने निभाई इंसानियत की ज़िम्मेदारी

बीकानेर। जमीअत उलमा-ए-हिन्द शाखा बीकानेर ने एक बार फिर समाज सेवा और मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल कायम की है। संगठन ने हाल ही में एक अत्यंत निर्धन बंगाली प्रवासी मजदूर परिवार की महिला का गॉल ब्लैडर (पित्ताशय की पथरी) का ऑपरेशन करवा कर उन्हें राहत पहुंचाई। मरीज को गॉल ब्लैडर स्टोन की गंभीर समस्या थी, जिसका इलाज करीब 30,000 में संभावित था। चूंकि यह परिवार राजस्थान का स्थायी निवासी नहीं है, इसलिए उन्हें किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पाया। इस मामले को अतीकुर्रहमान गौरी और हाफिज अजमल हुसैन ने सबसे पहले वेरिफाई किया। इसके बाद हाफिज अजमल हुसैन और श्री अब्दुल कय्यूम खिलजी ने समर्पण और संवेदनशीलता के साथ इस केस को संभाला। उनके प्रयासों से मरीज को एम.एन. हॉस्पिटल, बीकानेर में भर्ती कराया गया, जहाँ तमाम टेस्ट, डॉक्टरी सलाह और ऑपरेशन की ज़िम्मेदारियाँ सफलतापूर्वक निभाई गईं। जमीअत उलमा-ए-हिन्द बीकानेर का मकसद केवल धार्मिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि हर जरूरतमंद की मदद करना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। इस सेवा कार्य में अतीकुर्रहमान गौरी, हाफिज अजमल हुसैन और अब्दुल कय्यूम साहब ने जो मेहनत और ईमानदारी दिखाई, वह काबिले तारीफ है। हम उन सहृदय सहयोगियों का भी शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने इलाज के खर्च में मदद की और इंसानियत की इस सेवा में भागीदारी निभाई। मैं समाज के सभी जिम्मेदार नागरिकों से अपील करता हूँ कि ऐसे नेक कामों में आगे आएं और हमारे साथ जुड़ें। ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ होकर 6 जुलाई 2025 को अस्पताल से छुट्टी पा चुकी हैं। यह पहल न केवल एक मेडिकल सहायता है, बल्कि इंसानियत की सेवा का सच्चा उदाहरण है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अंकिता ने प्रेग्नेंसी रूमर्स पर तोड़ी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में से एक, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह अंकिता की प्रेग्नेंसी को लेकर फैले रूमर्स है। सोशल मीडिया पर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं कि अंकिता मां बनने वाली हैं। अब खुद इस जोड़ी ने अपने व्लॉग के जरिए इन खबरों पर रिएक्ट किया है। दरअसल, अंकिता और विक्की ने अपने लेटेस्ट यूट्यूब व्लॉग में प्रेग्नेंसी की खबरों पर खुलकर बात की। व्लॉग में अंकिता हंसते हुए कहती हैं, काफी समय से लोग पूछ रहे हैं कि प्रेग्नेंसी कब होगी। ऐसा लग रहा है जैसे पूरा परिवार इस बात पर काम कर रहा है। बातचीत और नेगोशिएशन चल रहे हैं। मैं इन सवालों से थक चुकी हूं। इसके बाद उन्होंने यह भी कहा, मुझे माफ करना दोस्तों, लेकिन जब मैं प्रेग्नेंट होऊंगी, तब मैं खुद आकर बताऊंगी। यह बयान तब आया जब कॉमेडी शो लाफ्टर शेफ्स 2 के सेट पर कृष्णा अभिषेक और करण कुंद्रा ने शूटिंग के दौरान अंकिता की प्रेग्नेंसी को लेकर मजाक किया था। इसी घटना के बाद से अफवाहों को और हवा मिली थी। हालांकि, अब इस व्लॉग के जरिए यह साफ हो गया है कि अभी तक प्रेग्नेंसी को लेकर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं है, लेकिन कपल के बीच और परिवार में इस विषय पर बातचीत जरूर चल रही है।

कियारा ही रहेंगी रणवीर की डॉन 3 का हिस्सा

रणवीर सिंह के जन्मदिन के मौके पर अब उनकी अपकमिंग फिल्म धुरंधर का टीजर जारी किया गया। उसके तुरंत बाद अब उनकी फिल्म डॉन 3 को लेकर भी अपडेट सामने आई है। रणवीर सिंह के चाहने वालों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है। उनके फैंस लंबे समय से उनकी अपकमिंग फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। धुरंधर फिल्म इसी साल रिलीज होगी जबकि डॉन 3 अगले साल 2026 में ही बनेगी और 2026 में ही रिलीज भी होगी। मतलब इस साल और अगले साल रणवीर के फैंस उनकी 2 फिल्में में देख पाएंगे। रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म डॉन 3 को लेकर बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डॉन 3 की शूटिंग कियारा आडवाणी की प्रेगनेंसी के बाद शुरू हो जाएगी। 2026 में इसकी शूटिंग शुरू होगी और 2026 में ही फिल्म रिलीज होगी। खबर के मुताबिक रणवीर सिंह को डॉन 3 फिल्म से शाहरुख खान को रिप्लेस करने के लिए ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से फिल्म मेकर और रणवीर सिंह ने इस पर शांत रहने का फैसला किया। इतना ही नहीं रणवीर सिंह डॉन 3 में हिस्सा लेने के लिए फिजिकल और मेंटली तैयार होना चाहते थे और उन्हें मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग भी लेनी थी। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कियारा आडवाणी फिल्म का हिस्सा बनी रहेंगी। जबकि फिल्म से उनके बाहर होने की खबर चर्चा में आ गई थी, कहा यह जा रहा था कि उनकी जगह कृति सेनन या फिर शरवरी वाघ ले सकती हैं, हालांकि ताजा खबर के मुताबिक कियारा फिल्म का हिस्सा बनी रह सकती हैं।

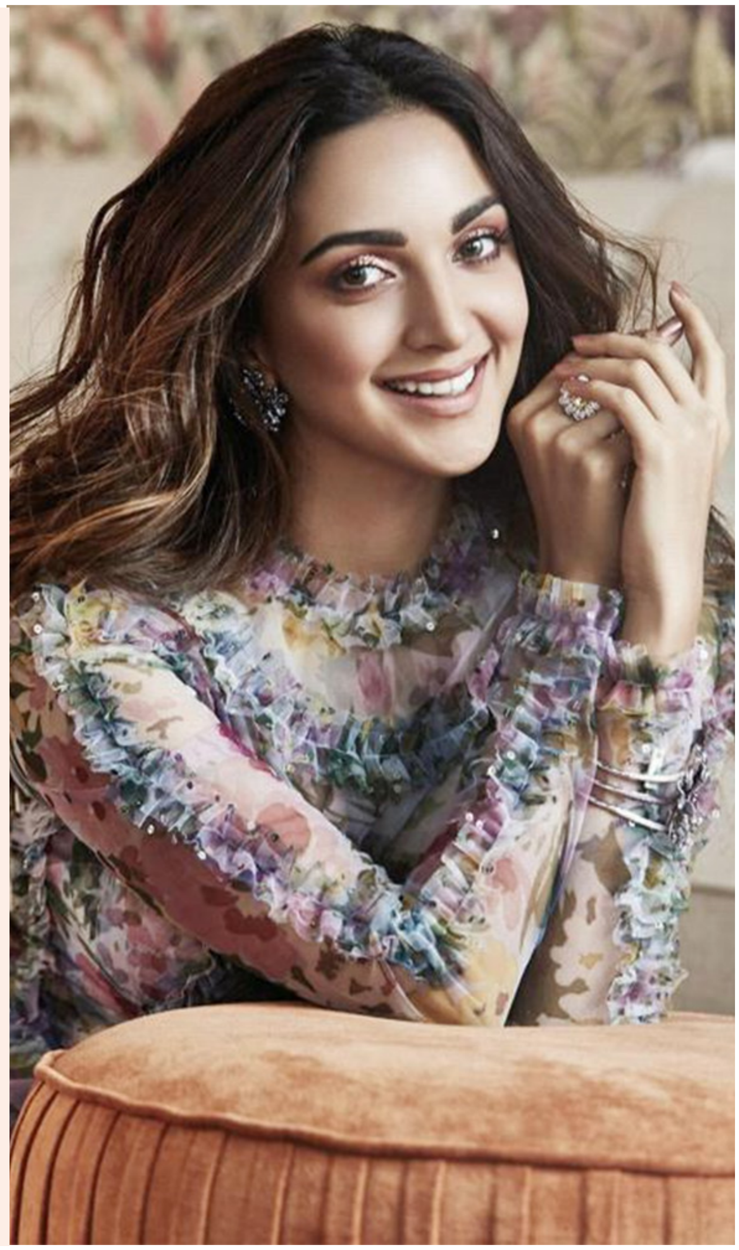

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. - 2014
G.D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY) NAAC Accredited with B+ Grade, ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COLLEGE
College Code : 527
Junior College
F.Y.J.C/ S.Y.J.C (Science & Commerce)
Degree College
B. Com • B.A.F • B.Sc.I.T • B.M.S • B.Sc
ADMISSIONS OPEN
Contact Number : 9326346900 / 9326335467
Upper Govind Nagar, Malad (East)